

उपसभापति: पहले प्रिविलेज हो जाए। लंबा मत बोलिएगा।....(व्यवधान) चलिए, एकदम संक्षिप्त में बोल दीजिए।

RE. QUESTIONS OF PRIVILEGE

श्री मूलचन्द मीणा (राजस्थान): मैडम, स्टील अथारिटी बोकारो के खिलाफ एक क्वेश्चन था जिसका गलत जवाब दिया है जबकि स्टील अथारिटी डिपार्टमेंट को सिविल एविएशन डिपार्टमेंट ने महीना पहले लिखा, कुछ अधिकारी जिनकी गलती से एअरक्राफ्ट एक्सीडेंट हुए उन अधिकारियों को सस्पेंड करने के लिए लिखा। लेकिन आपके अधिकारियों ने उस आदेश को दबा लिया और मिनिस्टर ने जो जवाब दिया कि जांच जारी है। यह जवाब दिया। जबकि जांच करके पहले जांच में उनको दोषी पाया गया। कोई कार्यवाही नहीं की गई। मंत्री महोदय को तो यह पता ही नहीं है कि डिपार्टमेंट क्या करता है, अधिकारी क्या करते हैं। मिनिस्टर महोदय कल प्रश्न का उत्तर....(व्यवधान)

उपसभापति: ठीक है, आपका प्रिविलेज है। चैयरमैन साहब को दिए हैं?

श्री मूलचन्द मीणा: हां, दिया है।

उपसभापति: ठीक है, तो जो चैयरमैन साहब उस पर निर्णय लेंगे हम आपको बता देंगे। ठीक है....(व्यवधान) अब आप भी बोल दीजिए, आपका क्या प्रिविलेज है।

SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA (Bihar): Madam, I have given notice under rule 187 regarding a question of privilege against Shri C.M. Ibrahim, Minister for Information and Broadcasting, for giving incorrect, incomplete and evasive reply to my Starred Question No. 82 of 16th July, 1996, regarding vulgarity in Indian cinema, thus misleading the House.

While replying to parts (b) and (c) of my question in which I asked, "if so, whether any assessment has been made of its adverse impact on our young generation and findings thereof; if not the reason thereof," the Minister answered as follows:

उपसभापति: अभी वह बात नहीं आएगी। इतना सब डिटेल्स में नहीं बोलते हैं। आप ने प्रिविलेज चैयरमैन साहब को दे दिया है। अब वह जो निर्णय लेंगे, हम आप को बता देंगे।

RE. PROTECTION TO INVENTOR OF "HERBAL PETROL"

श्री एस.एस. अहलुवालिया (बिहार): महोदय, पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के गांव का एक गरीब नौजवान जोकि दसवीं क्लास तक पढ़ा है, पेट्रोल बना रहा है। उस ने लकड़ी के टुकड़ों और पत्तों से पेट्रोल बनाकर दिखाया है। उस ने आई. आई.टी. मद्रास में उस का डिमांड स्टेशन किया जिस से वहां के साइंटिस्ट्स उस से बहुत खुश हुए हैं। फिर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के साइंस एंड टेक्नोलोजी डिपार्टमेंट ने उसे बुलाया और यहां आई.आई.टी. दिल्ली में उस ने वह एक्सपेरिमेंट दिखाया है जिस से सब लोग उससे प्रसन्न हैं।

महोदय, यह एक ऐसा मुद्दा है जबकि सारी दुनिया पेट्रोल के लिए लड़ रही है, उस नौजवान ने टेप वाटर में कुछ पत्तों और जड़ी-बूटियों को मिलाकर पेट्रोल पैदा करने का एक नया तरीका अपनाया है। यह नौजवान अपने स्कूल टीचर के साथ पिकनिक मनाने गया था। वहां स्कूल टीचर ने जब एक फ्रेंडिंग पैन से गर्म पानी फेंका तो उस से कुछ पत्तों में आग लग गयी जिसे देखकर उस ने सोचा कि इस में इम्प्लेमेबल मटेरियल है और वह उसे तलाश करता हुआ जंगल-जंगल घुमता रहा। तब उस ने इस की खोज की। महोदय, वह नौजवान पढ़ा-लिखा नहीं है। उस ने पेटेंट के लिए एप्लाई किया है। उसे यहां दिल्ली बुलाया गया था और आज के अखबार में निकला है कि उस को गैस्ट हाउस से निकालकर बाहर फेंक दिया गया है। उस को कहीं और भेज दिया गया है। महोदय, इसके पहले पिछले शनिवार को उस ने बयान दिया था कि उस की जान को खतरा है।

महोदय, मुझे डर एक चीज का है कि पूरी दुनिया की ताकतें जो पेट्रोल बनाती हैं, जमीन से निकाल कर पेट्रोल तैयार करते हैं और पेट्रोल डीलर्स हैं, इस को खत्म करने में लगी हुई हैं जबकि यह हमारी कंट्री के लिए एक एसेट है। इसलिए मेरी आप के माध्यम से मांग है कि सबसे पहले तो उस नौजवान की सुरक्षा की व्यवस्था की जाए। उसे सुरक्षित स्थान में रखा जाए। उसे एक नेशनल एसेट के हिसाब से सुरक्षित रखने की जरूरत है। उसे जिस तरह की सुरक्षा की जरूरत है, वह उसे उपलब्ध कराई जायें। उस को दिल्ली लाकर कम से कम साइंस एंड टेक्नोलोजी की जो स्टैंडिंग कमेटी या और दूसरी इस तरह की कमेटियां हैं, उन के सामने उस का डिमांड स्टेशन कराया जाए।(व्यवधान)...

उपसभापति: टाइम नहीं है। Everybody will unite.

श्री एस.एस. अहलुवालिया: और उसे हर तरह से सम्मान के साथ सुरक्षित रखा जाय। उस का इश्यू पेटेंट किया जाय। महोदया, मैं पूरे सदन से मांग करता हूँ कि आप सरकार को इस बारे में निर्देश दें। ... (व्यवधान).... मैडम, आज के अखबार में निकला है कि उसे गैस्ट हाउस से निकालकर बाहर फेंक दिया गया है।

SHRIMATI MARGARET ALVA: He was thrown out of the Gomti guest-house.... (Interruptions)....

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: I don't know at which place he was put up, but he was unceremoniously removed from that guest-house.

SHRI SATISH AGARWAL: It is a very important issue. Let it be patented in India in his name. Otherwise foreigners, businessmen and everybody, will steal the whole thing.

उपसभापति: अभी बैठिए। अहलुवालिया जी ने यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है। Let me hear.

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): It is a very important matter, and the Government will provide all kinds of security to him.... (Interruptions)....

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): उस एक्सपैरिमेंट के बारे में बताए कि वह ठीक है या गलत है? He should tell us.

उपसभापति: मल्होत्रा जी, अभी यह सब बातें नहीं कीजिए। Don't divert. Today what-ever happens to the experiment, you can ask at another time, through another device. But here is the Chairman of the Committee.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): If the House agrees, our Committee will take it up and we will see that the interest of that person who has invented it is protected.

SHRI S.S. AHLUWALIA: It is a national interest.

SHRI V. NARAYANASAMY: Yes, yes.

उपसभापति: एक मिनट ठहरिए। मंत्री जी ने आप को आश्वासन दिया है, मगर यह मामला बहुत गंभीर है। इस में उस को जान से भी मार सकते हैं, किडनैप भी कर सकते हैं और कुछ भी हो सकता है इसलिए उस के प्रोटेक्शन

की ओर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए और अगर उसे गैस्ट हाउस से इस तरह से निकाला गया है, मुझे मालूम नहीं कि यह सही है या नहीं, यह बहुत गलत है। Some action should be taken. (Interruptions)....

THE DEPUTY CHAIRMAN: One second just one second, please. I am giving direction. I want the Government to report to the House what action it has taken because this is not one of those matters where the Minister gets up and makes an announcement. An immediate action should be there. This is the point. Every time the Government says, "We will look into the matter, and we will take care of it." I know that the Government takes care of things, but the question is of urgency. I want to convey this sentiment of the entire House.

SHRI S. S. AHLUWALIA: Madam, he is in transit, he is in train. His life is in danger. I must appeal through you to the Government that it should enquire about him. He should be taken care of wherever he is and in whichever train he is travelling. He should be taken out of the train, and he should be provided with security. He should be brought to Delhi.

RE. CREATION OF VANANCHAL STATE

श्री जनार्दन यादव (बिहार): एक मिनट मैडम,.... (व्यवधान)....

उपसभापति: आप क्यों खड़े हो रहे हैं? बैठिए। (व्यवधान).... आप बैठ जाए। बैठ जाइए। एक सदस्य बोले। (व्यवधान)....

श्री जनार्दन यादव: मैडम, छोटा नागपुर, संथाल तथा अन्य जिला को मिलाकर अलग राज्य वनांचल के निर्माण के लिए कल से आर्थिक नाकेबंदी शुरू हुई है। उस आर्थिक नाकेबंदी में एक हजार कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पकड़ कर थाने में बंद कर दिया है और उन्हें रात भर न कोई खाना दिया गया है, न पानी दिया गया है, न भोजन दिया गया है। आज की 11 तारीख की नाकेबंदी को विफल करने के लिए हमारे कार्यकर्ताओं को बंद किया गया है। मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूँ कि छोटा नागपुर, संथाल, अन्य जिला को मिलाकर अलग वनांचल राज्य के निर्माण के लिए केन्द्रीय सरकार स्वीकृति दे। धन्यवाद।